

प्रेषक,

दिनीता कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-01,

देहरादून, 01 अक्टूबर 2007

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में 50 प्रतिशत केन्द्र पोषित कक्षा-1 से 10 तक की पूर्वदशम कक्षाओं में अध्ययनरत अस्वच्छ पेशारत व्यक्तियों के बच्चों को छात्रवृत्ति एवं तदर्थ अनुदान योजनान्तर्गत धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-863/XVII(1)-01 /2007-73(स.क.) /2002, दिनांक 10 सितम्बर 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में 50 प्रतिशत केन्द्र पोषित कक्षा-1 से 10 तक की पूर्वदशम कक्षाओं में अध्ययनरत अस्वच्छ पेशारत व्यक्तियों के बच्चों को छात्रवृत्ति एवं तदर्थ अनुदान योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने हेतु रुपये 8,56,000/- (रुपये आठ लाख छप्पन हजार मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

1. उक्त धनराशि को आहरित कर मांग के अनुरूप परिधिगत अधिकारियों को तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
2. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
4. बी.एम.-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
5. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड-5 एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

6. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय की "अनुदान संख्या-30" के "आयोजनागत पक्ष" के लेखाशीर्षक "2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण-01-अनुसूचित जातियों का कल्याण-277-शिक्षा-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-03-मैला उठान, चमड़ा उतारने जैसे व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों के दशमपूर्व कक्षाओं (कक्षा-1 से 10 तक) विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति (50 प्रतिशत भारत सरकार सहायता) (जिला योजना)" की मानक मद "21-छात्रवृत्तियाँ और छात्रवैतन" के नामे डाला जाएगा।
7. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-440(P)/XXVII(3)/2007, दिनांक 04 अक्टूबर 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव।

प्रुष्टांकन संख्या : 904 (1)/XVII(1)-01/2007-73(स.क.)/2002, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. समस्त मण्डलायुक्त, उत्तराखण्ड।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. कोषाधिकारी, हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(अजय सिंह नबियाल)
अपर सचिव।